

गेहूँ नरियात प्रतर्बिंध

प्रलिमिस् के लयि:

राष्ट्रीय खद्य सुरकषा अधनियिड (NFSA), 2013, प्रधानडंतरी गरीब कलयाण योजना (PMGKAY)

डेनुस् के लयि:

गेहूँ के नरियात पर प्रतर्बिंध लगाने का कारण, पूरे भारत डें गेहूँ वतिरण का वर्तडान परदृश्य ।

चरचा डें क्यौं?

[राष्ट्रीय खद्य सुरकषा अधनियिड \(NFSA\), 2013](#) के तहत वतिरण की आवश्यकताओं और गेहूँ के केंद्रीय स्रोत के आधार पर वर्तडान आपूरत को देखते हुए भारत सरकार [गेहूँ के नरियात](#) पर प्रतर्बिंध को हटाने पर वचिर कर रही है ।

- हाल ही डें [प्रधानडंतरी गरीब कलयाण योजना \(PMGKAY\)](#) को बंद करने के कारण [गेहूँ का समग्र वतिरण कम होने की संडवना](#) है ।

भारत डें गेहूँ वतिरण का वर्तडान परदृश्य:

- चीन के बाद भारत दुनया का दूसरा सबसे बडा गेहूँ उत्पादक देश है लेकनि यह वैश्वकि गेहूँ वयापार का 1% से भी कम है । यह कडगीरीबों को सबसडी युक्त भोजन उपलब्ध कराने के कारण है ।
- इसके शीरष नरियातक बाज़ार बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के साथ ही संयुक्त अरब अडीरात (UAE) हैं ।
- [भारतीय खद्य नगिड \(FCI\)](#) के अनुसार, गेहूँ का भंडार पछिले छह डहीनों डें 2 डलियिन टन प्रतर्डिाह की दर से घट रहा है और वर्तडान डें छह वर्षों डें सबसे कम है ।
 - सरकार गेहूँ का परयाप्त भंडार होने के बाद ही इसके नरियात पर लगे प्रतर्बिंध को हटाने पर वचिर कर रही है ताक खद्य सुरकषा सुनश्चिति की जा सके ।
- सरकार ने गेहूँ की कम खरीद तथा बढती कीडतों के बारे डें चत्तिाओं को दूर करने के लयि कई उपाय कयि हैं । इन उपायों डें शामिल हैं:
 - कुछ राज्यों और कषेत्रों को गेहूँ का आवंटन कम करना, चावल का आवंटन बढाना, [टूटे हुए गैर-बासडती चावल के नरियात पर प्रतर्बिंध](#) लगाना तथा कीडतों को नरियंत्रण डें रखने के लयि खुले बाज़ार डें बकिरी पर वचिर करना ।
- वर्ष 2023 डें गेहूँ का उत्पादन पछिले वर्ष की तुलना डें बेहतर रहने की उडडी है, जसिसे बाज़ार डें गेहूँ की आपूरतबिढाने डें डदड डल सकती है ।

गेहूँ के नरियात पर प्रतर्बिंध लगाने का कारण:

- वैश्वकि स्तर पर गेहूँ की कीडत: भारत ने डई 2022 डें गेहूँ के नरियात को नलिंबति कर दयि । सरकारी राजपत्र डें प्रकाशति एक अधसूचना डें [वदिश वयापार डहानदिशालय \(DGFT\)](#) ने प्रतर्बिंध को उचति ठहराते हुए कहा क वैश्वकि स्तर पर गेहूँ की बढती कीडतों ने न केवल भारत डें बल्क पिडोसी और कमज़ोर देशों डें भी खद्य सुरकषा पर दबाव डाला है ।
 - हालाँक अन्य देशों को उनकी खद्य सुरकषा ज़रूरतों को पूरा करने के लयि भारत सरकार द्वारा दयि गए आदेशों और उनकी सरकारों के अनुरोध के आधार पर नरियात की अनुडतति दी जाएगी ।
- गेहूँ के उत्पादन पर प्रडव: डार्च-अप्रैल 2022 डें पूरे देश डें [डीट वेव](#) और FCI द्वारा परयाप्त बफर स्टॉक बनाने डें असडरथता तथा प्रतर्बिंध के कारण भी गेहूँ के उत्पादन डें गरिावट आई ।
- डुदरास्फीत डें वृद्धि: भारत डें [थोक डूलय सूचकांक \(WPI\)](#) वर्ष 2022 की शुरुआत डें 2.26% से बढकर डई 2022 डें 14.55% हो गया । खुदरा डुदरास्फीत भी अप्रैल, 2022 डें खद्य और ईधन की बढती कीडतों के कारण आठ वर्षों डें 7.79% पर पहुँच गई ।

सविलि सेवा परीकषा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. राष्ट्रीय खद्य सुरकषा अधनियिड, 2013 के तहत कयि गए प्रावधानों के संदरभ डें नडिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. केवल 'गरीबी रेखा से नीचे (BPL) की श्रेणी में आने वाले परिवार ही सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने के पात्र हैं ।
2. परिवार में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की सबसे अधिक उम्र वाली महिला ही राशन कार्ड नरिगत कयि जाने के प्रयोजन से परिवार की मुखयिा होगी ।
3. गर्भवती महिलाएँ एवं दुग्ध पलाने वाली माताएँ गर्भावस्था के दौरान और उसके छह महीने बाद तक प्रतदिनि 1600 कैलोरी वाला राशन घर ले जाने की हकदार हैं ।

उपरयुतत कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. आज भी भारत में सुशासन के लयि भूख और गरीबी सबसे बडी चुनौती है । मूल्यांकन कीजयि कइिन वशिल समस्याओं से नपिटने में सरकारों ने कतिनी प्रगतकी है । सुधार के उपाय सुझाइये । (मुख्य परीक्षा, 2017)

प्रश्न. खाद्यान्न वतिरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लयि सरकार द्वारा कौन से सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं? (मुख्य परीक्षा, 2019)

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ban-on-wheat-export>

